ग्रामीण कृषि मौसम सेवा, कृषि मौसम विभाग
डा० राजेन्द्र प्रसाद केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय
पूसा,समस्तीपुर (बिहार)-८४८१२५

बुलेटिन संख्या-५३
दिनांक- शुक्रवार, ३१ जुलाई, २०२०

विगत मौसम पूर्वानुमान अवधि का आकलन

मौसमीय वेद्यशाला पूसा के आकलन के अनुसार पिछले तीन दिनों का औसत अधिकतम एवं न्यूनतम तापमान क्रमशः ३०.८ एवं २१.४ डिग्री सेल्सियस रहा। औसत सापेक्ष आर्द्रता ८२ प्रतिशत सुबह में एवं दोपहर में ६० प्रतिशत, हवा की औसत गति १०.० कि०मी० प्रति घंटा एवं दैनिक वाष्पण १.६ मि०मी० तथा सूर्य प्रकाश अवधि औसतन २.४ घन्टा प्रति दिन रिकार्ड किया गया तथा ५ से०मी० की गहराई पर भूमि का औसत तापमान सुबह में २८.६ एवं दोपहर में ३२.८ डिग्री सेल्सियस रिकार्ड किया गया। इस अवधि में ५६.६ मि०मी० वर्षा रिकार्ड हुई।

मध्यावधि मौसम पूर्वानुमान
(०१-०५ अगस्त, २०२०)

- ग्रामीण कृषि मौसम सेवा, डा०आर०पी०सी०ए०यू०, पूसा, समस्तीपुर एवं भारत मौसम विज्ञान विभाग के सहयोग से जारी ०१-०५ अगस्त तक के मौसम पूर्वानुमान के अनुसारः-
- पूर्वानुमानित अवधि में उत्तर बिहार के जिलों में आसमान में मध्यम बादल छाये रहने का अनुमान है। अगले १२-२४ घंटों में हल्की से मध्यम वर्षा होने की सम्भावना है तथा उसके बाद अगले दो दिनों तक कहीं-कहीं हल्की वर्षा या आमतौर पर मौसम के शुष्क का अनुमान है तथा ४ जुलाई से फिर मौसम में बदलाव होने के कारण बारिश की सक्रियता में वृद्धि हो सकती है।
- इस अवधि में अधिकतम तापमान ३४ से ३८ डिग्री सेल्सियस एवं न्यूनतम तापमान २६-३० डिग्री सेल्सियस के बीच रहने का अनुमान है।
- पूर्वानुमानित अवधि में पूरवा हवा चलने का अनुमान है। औसतन १०-१२ कि०मी० प्रति घंटा की रफ्तार से हवा चलने की संभावना है।
- सापेक्ष आर्द्रता सुबह में ८० से ८५ प्रतिशत तथा दोपहर में ५५ से ६५ प्रतिशत रहने की संभावना है।

समसामयिक सुझाव

- विगत सप्ताह में उत्तर बिहार में अच्छी बर्षा हुई है। अभी बर्षा होने की संभावना बनी हुई है। खड़ी फसलों अथवा नर्सरी में जमा हुए अधिक वर्षा जल के निकासी की व्यवस्था करें। कद्दुवर्गीय सब्जियों को उपर चढ़ाने की व्यवस्था करें ताकि वर्षा से सब्जियों की लत्तर को गलने से बचाया जा सकें।
- किसान भाई वर्षा जल का लाभ उठाते हुए नीचली एवं मध्यम जमीन में धान रोपनी प्राथमिकता के आधार पर करें। रोपाई के २-३ दिन बाद तथा एक सप्ताह के अन्दर धान की फसल में खरपतवार नियंत्रण के लिए ब्यूटाक्लोर (३ लीटर दवा प्रति हेक्टेयर) या प्रीटलाक्लोर (१.५ लीटर दवा प्रति हेक्टर) या पेन्डीमिथेलीन (३ लीटर दवा प्रति हेक्टर) का ५००-६०० लीटर पानी मे घोल बनाकर एक हेक्टर क्षेत्र में छिड़काव करें। धान की २० से २५ दिनों वाली फसल से खर-पतवार निकाल दें तथा ३० किलोग्राम नेत्रजन का उपरिवेशन करें।
- प्याज की रोपाई पँक्ति से पँक्ति की दुरी १५ से०मी० एवं पौध से पौध की दूरी १० से०मी० पर उथली क्यारियाँ बनाकर करें। प्याज की नर्सरी से खर-पतवार निकालने का कार्य करें।
- मक्का की ३०-३५ दिनों वाली फसल में बछनी कर ४० किलोग्राम नेत्रजन का व्यवहार करें। खड़ी फसलों एवं नर्सरी में कीट-व्याधि का निरीक्षण करते रहें।
- केला की रोपाई करें। उत्तर बिहार में लम्बी किस्मों के लिए अलपान, चम्पा, कंथाली, मालभोग, चिनियाँ, शक्कर चिनियाँ, फिआ-२३ तथा बौनी एवं खाने वाली किस्मों के लिए ग्रैडनेन, रोबस्टा, बसराई, फिआ-१ अनुशंसित है। सब्जी वाली किस्में बतीसा, सावा, बनकेल, कचकेल, फिआ-३ तथा सब्जी एवं फल दोनों में उपयोग आने वाली किस्में कोठियाँ, मुठियाँ, दुधसागर एवं चकिया अनुशंसित है। लम्बी जातियों में पौधा से पौधा की दुरी २.० मीटर है एवं बौनी जातियों में १.५ मीटर रखें।
- उचॅास जमीन में अरहर की बुआई यथाशीघ्र समाप्त कर लें। बुआई के समय प्रति हेक्टेयर २० किलो नेत्रजन, ४५ किलो स्फुर एवं २० किलो पोटाश तथा २० किलो सल्फर का व्यवहार करें। बहार, पूसा ६, नरेंद्र अरहर १, मालवीय-१३, राजेन्द्र अरहर-१ आदि किस्में बुआई के लिए अनुशंसित है। बुआई के २४ घंटे पूर्व २.५ ग्राम थीरम दवा से प्रति किलोग्राम बीज की दर से उपचार करे। बुआई के ठीक पहले उपचारित बीज को उचित राईजोबियम कल्चर से उपचारित कर बुआई करनी चाहिए। पक्ति से पक्ति की दूरी ६० से०मी० रखें । बीज दर १८ से २० किलोग्राम प्रति हेक्टेयर रखें।
- अभी विभिन्न वन वृक्षो जैसे सागवान, चह, हरा सेमल, देशी सेमल, सफेद सिरीस, काला सिरीस, अर्जुन, गम्हार, गुलमोहर आदि के पौधे एवं स्टम्प लगाये जा सकते हैं।
- फलदार एवं वानिकी पौधों को लगाने का यह समय अनुकुल चल रहा है। किसान भाई अपने पसंद के अनुसार अलग-अलग समय में पकने वाली आम की किस्मों का चयन कर सकते हैं। मई के अन्त से जुन माह में पकने वाली किस्में मिठुआ, गुलाबखास, बम्बई, एलफॉन्जों, जड़दालू, जून माह में पकने वाली किस्में लंगड़ा (मालदह), हेमसागर, कृष्णभोग, अमन दशहरी, जुलाई माह में पकने वाली किस्में फजली, सुकुल, सिपिया, तैमूरिया, अगस्त में पकने वाली किस्में समरबहिश्त, चौसा, कतिकी है। आम के संकर किस्मों के लिए महमूद बहार, प्रभाशंकर, अम्रपाली, मल्लिका, मंजीरा, मेनिका, सुन्दर लंगड़ा राजेंद्र आम-१, रत्ना, सबरी, जवाहर, सिंधु, अर्का, अरुण, मेनका, अलफजली, पूसा अरुणिमा आदि अनुशंसित है। कलमी आम के लिए पौधा से पौधा की दुरी १० मीटर, बीजु के लिए १२ मीटर रखें। आम्रपाली किस्म की सघन बागवानी हेतु पौधों को २.५ ग २.५ मीटर की दूरी पर लगा सकतें हैं।

आज का अधिकतम तापमानः ३०.० डिग्री सेल्सियस, सामान्य से २.२ डिग्री कम	आज का न्यूनतम तापमानः १९.८ डिग्री सेल्सियस, सामान्य से ५.७ डिग्री कम

(डॉ० गुलाब सिंह)
तकनीकी पदाधिकारी

(डॉ० ए. सत्तार)
नोडल पदाधिकारी